उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय नैनीताल, सहायक समीक्षा अधिकारी / अनुवादक / टाईपिस्ट / असिस्टेन्ट लाईब्रेरियन (मुख्य) परीक्षा-2014
"सहायक समीक्षा अधिकारी पद हेतु"

No. of Printed Pages : 7

UNK 02

2014

हिन्दी भाषा

प्रश्न-पत्र-II

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 200*

*नोट : (i) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके अन्त में इंगित हैं ।

(iii) एक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर अनिवार्यत: एक साथ दिया जाए ।

(iv) पत्र लेखन सम्बन्धी प्रश्न के उत्तर में अपना नाम, पता तथा अनुक्रमांक न लिखें । यदि अनिवार्य हो तो क्ष, त्र, ज्ञ लिख सकते हैं ।

1. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों से वाक्य निर्मित कीजिए : **5 × 1 = 5**

अभ्यावेदन, प्राधिकृत, विनियम, न्यायमूर्ति, प्रारूपण, संहिता, अनुसूची, राजपत्र

(ख) निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किन्हीं **पाँच** का अर्थ लिखते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए : **5 × 1 = 5**

(i) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना

(ii) उड़ती चिड़िया पहचानना

(iii) कान में तेल डालना

(iv) पापड़ बेलना

(v) हाथ कंगन को आरसी क्या

(vi) नाच न जाने आँगन टेढ़ा

(vii) खूँटे के बल बछड़ा कूदे

(viii) अधजल गगरी छलकत जाए

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** का एक-एक पर्यायवाची शब्द लिखिए : **5 × 1 = 5**

अनिल, विहंग, केवट, शाखामृग, पल, डोली, निखिल, धूल

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के विलोम लिखिए : **5 × 1 = 5**

ऋजु, बहिर्मुखी, विज्ञ, अर्ह, प्रवर, अनृत, गुरु, चिरायु

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **750** शब्दों में निबंध लिखिए : **40**

(i) ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका

(ii) शिक्षा और महिला सशक्तीकरण

(iii) लोकतंत्र में प्रेस की स्वाधीनता

(iv) निर्धनों के लिए न्याय

(v) विश्व-व्यापार में भारत का योगदान

3. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए तथा मूल गद्यांश की शब्द-संख्या के **एक-तिहाई** में सारांश तैयार कीजिए : **5 + 15 = 20**

हम किसी समस्या पर जितना अधिक विचार करते हैं, उसके लिए जितनी अधिक विवेचना, विश्लेषण और विमर्श करते हैं, वह उतनी ही अधिक जटिल होती जाती है । तो क्या किसी समस्या को उसके संपूर्ण और समग्र रूप में देखा जाना संभव है ? कैसे संभव है यह ? क्योंकि हमें लगता है कि यही हमारी प्रमुख कठिनाई है । हमारी समस्याएँ दिन दूनी, रात चौगुनी बढ़ती जा रही हैं । युद्ध का खतरा सिर पर मँडरा रहा है । हमारे संबंधों में हर प्रकार का विक्षोभ घुसपैठ कर रहा है । इस सबको हम संपूर्ण-समाविष्ट रूप में, समग्र रूप में कैसे समझ सकते हैं ? यह तो स्पष्ट है कि किसी समस्या का समाधान तभी संभव है, जब हम उसे संपूर्ण-समग्र रूप में देखें; न कि टुकड़ों-टुकड़ों में विभाजित करके । ऐसा कब संभव है ? निश्चय ही, यह तभी संभव है, जब अहं एवं परंपरा; संस्कार, पूर्वाग्रह, प्रत्याशा एवं हताशा की पृष्ठभूमि में अपनी जड़ें जमाए बैठी विचार-प्रक्रिया का अंत हो जाए । क्या हम इस अहं को समझ सकते हैं – वस्तुस्थिति का विश्लेषण करके नहीं, बल्कि उसे प्रत्यक्ष देखकर; सिद्धांत रूप में स्वीकार करके नहीं, बल्कि उसकी वास्तविकता के प्रति सजग रहकर; कोई परिणाम पा लेने हेतु इस अहं का अंत करने की चाहत से नहीं, बल्कि इस सतत सक्रिय अहं की गतिविधियों का अवलोकन करते रहने से ? क्या हम इसे पूरे ध्यान से देख सकते हैं – इसे ध्वस्त या प्रोत्साहित करने की कोई हरकत किए बिना ? समस्या तो यही है, है न ? यदि हम सभी में महत्त्व, प्रतिष्ठा, अधिकार, निरंतरता, आत्म-संरक्षण की लालसा वाले अहं का अस्तित्व ही शेष न रहे तो निश्चय ही हमारी समस्याओं का अवसान हो जाएगा ।

यह अहं एक ऐसी समस्या है, जिसका निदान विचार नहीं कर सकता । एक ऐसी सजगता चाहिए, जो विचारजनित न हो । सजग रहना, इस अहं की गतिविधियों को उचित-अनुचित ठहराए बिना, केवल उनके प्रति जागरूक रहना यही पर्याप्त है । यदि आप इस आशय से जागरूक हैं कि 'कैसे' समस्या का समाधान किया जाए, 'कैसे' इसे रूपांतरित किया जाए, 'कैसे' कोई परिणाम प्राप्त किया जाए, तब तो यह जागरूकता अहं की परिधि में ही रहेगी । जब हम कोई परिणाम प्राप्त कर लेना चाहते हैं, चाहे वह विश्लेषण द्वारा हो, सजगता द्वारा हो या प्रत्येक विचार की निरंतर जाँच-परख द्वारा हो, तब भी हम विचार की परिधि में ही रहते हैं, जो कि स्वयं 'मैं' की, 'अहं' की परिधि में स्थित है । अत: हम कह सकते हैं कि विचार अहं की समस्या को नहीं सुलझा सकता ।

मन में गतिविधि चल रही है, हलचल हो रही है तो समझो, विचार सक्रिय है । इसके प्रशमन के बिना प्रेमोदय संभव नहीं है । जब तक मन की गतिविधि विद्यमान रहती है, तब तक प्रेम हो ही नहीं सकता । और जब प्रेम विद्यमान होगा, तब हमारी कोई सामाजिक समस्या नहीं रह जाएगी ।

4.. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 1 = 5$

(i) जिस वाक्य में कर्ता की प्रधानता हो, उसे कौन सा वाच्य कहते हैं ?

(ii) कर्मवाच्य कहाँ होता है ?

(iii) 'मैं घूमता हूँ ।' वाक्य में कौन सा वाच्य है ?

(iv) 'उनसे दौड़ा जाता है ।' वाक्य में कौन सा वाच्य है ?

(v) किस वाच्य में क्रिया सदा पुल्लिग एकवचन में प्रयुक्त होती है ?

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 1 = 5$

(i) 'राम गया', वाक्य किस काल का बोधक है ?

(ii) जब वर्तमान में कार्य को समाप्त हुए बहुत कम समय बीता हो, तो वह काल क्या कहलाता है ?

(iii) 'मैं खेल रहा हूँ', वाक्य किस काल का बोधक है ?

(iv) संभाव्य भविष्यकाल में 'जाना' क्रिया का उत्तम पुरुष एकवचन में क्या रूप होगा ?

(v) 'वह जाता होगा', वाक्य में कौन सा काल है ?

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष कथन में बदलिए : $5 \times 1 = 5$

(i) उसने मुझसे कहा, "मैं अब अपना पाठ याद कर रहा हूँ ।"

(ii) मैंने उससे कहा, "तुम विद्यालय कैसे जाते हो ?"

(iii) कप्तान ने अपने सैनिकों से कहा, "आगे बढ़ो ।"

(iv) हरीश ने रोहित को कभी झूठ न बोलने की सलाह दी ।

(v) मोहन ने अपने मित्रों को उस दिन पुस्तकालय जाने का सुझाव दिया ।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठ में दिए निर्देशानुसार सरल, संयुक्त एवं मिश्र वाक्यों में बदलिए : $5 \times 1 = 5$

(i) उसने खाना खाया और सो गया । (संयुक्त से सरल वाक्य)

(ii) दंड से बचने के लिए वह भाग गया । (सरल से संयुक्त वाक्य)

(iii) परिश्रम करो और सफलता प्राप्त करो । (संयुक्त से सरल वाक्य)

(iv) मैंने उसकी अस्वस्थता के बारे में सुना था । (सरल से मिश्र वाक्य)

(v) जब सर्दी लगे, तब कंबल ओढ़ लेना । (मिश्र से सरल वाक्य)

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में किस प्रकार की त्रुटियाँ हैं ? $5 \times 1 = 5$

(i) उसने अपनी कविता बोली ।

(ii) मेरे से चला नहीं जाता ।

(iii) गाय घास खाता है ।

(iv) हमने मटर की फलियाँ खाई ।

(v) डाकुओं ने उसे घेरा था, पर मोहन बच निकला ।

(च) निम्नलिखित वाक्यों में प्रासंगिक वाक्यांश छाँटकर लिखिए : $5 \times 1 = 5$

(i) वह व्यक्ति जिसने रुपया चुराया था, पकड़ लिया गया ।

(ii) मेरा सबसे छोटा बेटा, जो केवल तीन वर्ष का है, पढ़ना सीख रहा है ।

(iii) वह व्यक्ति जो सुधार के पक्ष में नहीं है, कल से धरने पर बैठने वाला है ।

(iv) वे सारे लोग जिन्हें मैं जानता था, चले गए हैं ।

(v) यह ऐसी बात है, जिस पर मुझे गर्व है ।

(छ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 1 = 5$

(i) धातु में कौन सा प्रत्यय जोड़ने से क्रियार्थक संज्ञा बनती है ?

(ii) 'नाटक देखना है ।' वाक्य में 'देखना' शब्द का प्रयोग किस रूप में हुआ है ?

(iii) क्रियार्थक संज्ञा के 'ने' रूप के साथ 'वाला' जोड़ने से कौन सा कृदंत बनता है ?

(iv) 'पढ़ना अच्छी आदत है ।' वाक्य में क्रियार्थक संज्ञा क्या है ?

(v) 'गड़बड़ करने वाला मुंशी चला गया ।' वाक्य में कर्तृवाचक कृदंत का प्रयोग किस रूप में हुआ है ?

(ज) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 1 = 5$

(i) 'चीता' शब्द में कौन सा लिंग है ?

(ii) 'ऋतु' शब्द में कौन सा लिंग है ?

(iii) 'बूढ़ा' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा ?

(iv) 'सेठानी' शब्द में कौन सा स्त्रीलिंग बोधक प्रत्यय है ?

(v) वान-मान प्रत्ययांत शब्दों में कौन सा लिंग होता है ?

(झ) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति पूर्वसर्गों से कीजिए : $5 \times 1 = 5$

(i) विधिपूर्ण कार्य करने _____ किसी को हानि नहीं होती ।

(ii) सत्ता _____ विद्रोह होना, कोई नई बात नहीं है ।

(iii) उन्होंने रेल _____ यात्रा की ।

(iv) इस मामले _____ दिया गया तर्क विधिमान्य है ।

(v) अपनी महत्त्वाकांक्षा की पूर्ति _____ व्यक्ति क्या नहीं करता ?

(ट) निम्नलिखित सशर्त वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति संयोजकों से कीजिए : $5 \times 1 = 5$

(i) _____ आपने मुझे बचाया नहीं होता, _____ मैं डूब गया होता ।

(ii) _____ होना था, _____ हो गया ।

(iii) _____ आए, _____ ही चले जाओ ।

(iv) _____ तुम आते, _____ मैं भी चलता ।

(v) _____ यह कठिन प्रतीत होता है, _____ परिश्रम से सब संभव है ।

5. निम्नलिखित हिन्दी गद्यांश का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

विज्ञान मानवता को ईश्वर द्वारा प्रदत्त सर्वोत्तम वरदान है । तर्क-आधारित विज्ञान समाज की पूँजी है । हम विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, राजनीति, नीति-निर्माण, धर्मशास्त्र, धर्म या न्याय जैसे किसी भी क्षेत्र में कार्यरत रहें, हमें विज्ञान का उपयोग आम आदमी की सेवा हेतु करना है, क्योंकि संपूर्ण मानवीय प्रयास और ज्ञान का केन्द्रबिंदु मानव-कल्याण ही है ।

विज्ञान के अंतर्गत जिज्ञासाएँ प्रकट की जाती हैं और प्रकृति के नियमों में कठिन परिश्रम और अनुसंधान से उनके समुचित उत्तर ढूँढे जाते हैं । विज्ञान एक रोमांचकारी विषय है और यदि वैज्ञानिक समस्याएँ विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को प्रेरित करें, व्यावहारिक दृष्टि से प्रासंगिक हों तथा उनके अनुसरण करने में सहायक हों और शिक्षकों की भूमिका आदर्शपूर्ण हो, तो इसके प्रति विद्यार्थियों का आकर्षण स्वाभाविक हो जाता है । वैज्ञानिक समस्याओं का समाधान सार्वभौम है और वह किसी देश या उसमें रहने वाले व्यक्ति पर आधृत नहीं है, क्योंकि विज्ञान और वैज्ञानिक अनुसरण असीम हैं ।

6. (क) शासनादेश किसे कहते हैं ? शासनादेश का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए । 15

(ख) कार्यालय ज्ञापन की विशेषताएँ स्पष्ट करते हुए उसका एक प्रारूप तैयार कीजिए । 15

7. हमारे देश के अधिनियमित होने वाले कानूनों में सूचना के अधिकार का कानून सबसे महत्त्वपूर्ण कानूनों में से एक है । यह लोगों के सूचना के अधिकार को मान्यता देता है, जो बहुत से अदालती फैसलों में हमारे संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों में से एक के रूप में घोषित किया जा चुका है । इस अधिनियम की परिधि में केन्द्र और राज्य सरकारों के अलावा ग्रासरूट प्रजातांत्रिक संस्थानों और ऐसी संस्थाओं, जिन्हें सरकारी अनुदान मिलता हो, को शामिल किए जाने से यह एक व्यापक पहुँच वाला कानून बन गया है; जो प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए नागरिकों को सूचना हासिल करने का अधिकार देता है । इससे प्रजातंत्र और मज़बूत बनेगा तथा हमारे जीवन के लिए अधिक प्रासंगिक बनेगा ।

सूचना के अधिकार संबंधी सभी कानूनों का मूल लक्षण है कि ये लोगों को सार्वजनिक प्राधिकरणों और अन्य सरकारी संस्थानों से सूचना लेने के लिए सशक्त करते हैं । सूचना का अर्थ है – रिकॉर्ड्स, कागजात या जानकारी । सूचना की माँग का अधिकार देश के सभी नागरिकों के लिए खुला है और किसी खास मामले में सूचना लेने के लिए अपनी कानूनी दिलचस्पी दिखाने की जरूरत भी नहीं है । अंतर्राष्ट्रीय चलन की तर्ज पर सूचना के अधिकार संबंधी कानूनों के दायरे में उन गैर-सरकारी संस्थाओं को भी लाया गया है, जो सरकार से धन प्राप्त करती हैं । इस अधिनियम में कुछ अपवाद भी हैं, जैसे – राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, व्यक्तिगत गोपनीयता, व्यावसायिक गोपनीयता, कानून का प्रवर्तन और सार्वजनिक व्यवस्था, विश्वस्त रूप से मिली जानकारी आदि । दूसरे कानूनों की तरह इस कानून में भी अपील की प्रक्रिया का प्रावधान किया गया है । यह सरकारी संस्थाओं के लिए कुछ निश्चित सूचनाओं का नियमित प्रकाशन अनिवार्य बनाता है ।

सूचना का अधिकार अधिनियम खुलापन, पारदर्शिता और जवाबदेही का एक नया युग लाने वाला एक शक्तिशाली यंत्र है । यह लोगों को सरकारी संगठनों से जानकारी हासिल करने और उनसे सवाल पूछने में हमें सक्षम बनाता है – जैसा कि हमारे चुने हुए प्रतिनिधि विधानमंडल एवं संसद सत्र के दौरान करते हैं । नागरिक सरकार की नीतियों और क्रिया-विधियों, विभिन्न कार्यों पर किए गए खर्च, उनसे मिलने वाले लाभ, सुविधाओं, सेवाओं, ढाँचागत सुविधाओं की कमी या अनुपलब्धता आदि पर सवाल उठा सकते हैं । ऐसी कोई भी सूचना जो संसद या राज्य विधानमंडलों को नहीं नकारी जा सकती, वह इस कानून के तहत आवेदनकर्ता को भी नहीं नकारी जा सकती ।

इस कानून के अधीन हासिल की गई सूचनाओं को कई उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, जिनमें से एक जमीनी सच्चाइयों का सत्यापन करना है । इस तरह से हासिल की गई सूचनाएँ मुद्दों के विवेचनात्मक विश्लेषण और दबायी हुई सूचनाओं व सच्चाइयों को निकलवाने में भी हमारी मदद करती हैं । कहाँ क्या हो रहा है, स्वीकृत कार्य निश्चित समयावधि में हो रहा है या नहीं ? यह जानने में भी ये मददगार होती हैं ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के रेखांकित शब्दों का अर्थ लिखिए । 5

(ii) उपर्युक्त गद्यांश का सार (केवल एक अनुच्छेद में) लिखिए । जो पाठ के एक तिहाई अंश से अधिक न हो । 15